www.facebook.com\rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtriya

राष्ट्रीय सहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

नई दिल्ली। सोमवार • 11 जनवरी • 2021 | राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

कोरोना काल में नहीं हुए प्रैक्टिकल, छात्र कैसे देंगे परीक्षा

■ राकेश नाथ

नई दिल्ली। एसएनबी

वैश्विक महामारी कोरोना के चलते बीचे 10 माह से स्कूल बंद होने से इसका प्रभाव सीछे छात्रों के करियर पर पड़ा। इस दौरान ऑनलाइन थ्योरी की क्लासेज तो चलती रहीं, लेकिन साईंस व अन्य विषयों के प्रैक्टिकल नहीं हो सके पाये। अब मार्च से प्रैक्टिकल की परीक्षाएं होनी है। ऐसे में बिना प्रैक्टिस के छात्रों के लिए प्रैक्टिकल की परीक्षा देनी होगी।

रोहिणी स्थित माउंट आबू पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य ज्योति अरोड़ा ने कहा कि कोरोना के चलते स्कूल में नौवीं से बारहवीं तक के छात्रों की प्रैक्टिकल की क्लासेज नहीं हो सकी हैं। अब मार्च महीने में प्रैक्टिकल की परीक्षाएं होनी है। नौवीं से ग्यारहवीं तक की कक्षाओं के प्रैक्टिकल के पेपर में तो स्कूल स्तर पर ही परीक्षाएं ली जाती हैं। जबकि बारहवीं कक्षाओं के प्रैक्टिकल के पेपेर में बाहर से परीक्षक आते हैं। ऐसे में यदि यह प्रैक्टिस नहीं होती है तो छात्रों के लिए प्रैक्टिकल की परीक्षा में काफी दिक्कत होगी। ज्योति अरोड़ा ने कहा कि अभी भी सरकार प्रैक्टिकल के छात्रों के लिए स्कूल खोलने की अनुमति देते हैं तो आने वाली प्रैक्टिकल की परीक्षाओं के लिए छात्रों की तैयारी हो जाएगी।

मार्च में होनी है नौवीं से 12 वीं तक के छात्रों की प्रैक्टिकल परीक्षा

20 से 30 अंकों की होती प्रैक्टिकल की परीक्षा

ऑनलाइन थ्योरी की क्लासेज चलती रहीं, छूट गया प्रैक्टिकल

पीतमपुरा स्थित एमएम स्कूल की प्रधानाचार्य रुमा पाठक ने कहा कि स्कूलों में छात्रों की प्रैक्टिकल की क्लासेज काफी जरूरी होती है। यदि छात्र प्रैक्टिकल की प्रैक्टिस नहीं करता है तो कैसे वह मार्च की परीक्षा दे सकेगा। हमारी सरकार से मांग है कि जल्द से जल्द इस समस्या को देखते हुए स्कूलों को खोला चाहिए। स्कूल खासतौर पर ऐसे छात्रों के लिए खोलना चाहिए, जिनको मार्च में प्रैक्टिकल की परीक्षाएं देनी है। हमारी सरकार से मांग है कि स्कूलों को सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए खोलने की अनुमति देनी चाहिए।

पंजाबी बाग स्थित एनसी जिंदल पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य डीके पांडेय ने कहा कि प्रैक्टिकल का पेपर 20 से 30 अंकों का होता है। यह अंक थ्योरी की परीक्षा के अंकों के साथ जुड़ते हैं। यदि बिना प्रैक्टिकल की क्लासेज के परीक्षा में छात्र बैठते हैं तो ऐसे में जो प्रतिभाशाली छात्र हैं, उनको तो दिक्कत होगी। साथ ही औसत और औसत से नीचे स्तर के छात्रों के लिए और ज्यादा परेशानी होगी। इससे बच्चों के करियर पर असर पड़ेगा। सरकार को स्कूल खोलने के बारे में जल्द कोई फैसला लेना चाहिए।